
VIVEKANANDA COLLEGE, THAKURPUKUR
KOLKATA – 700063

NAAC ACCREDITED 'A' GRADE



TOPIC: Means of conflict resolution – Desirelessness

COURSE CODE: CC4

PAPER: Self Management in the Gita

UNIT: Sec B Unit 3

SEMESTER: 2nd

NAME OF TEACHER: BAISALI DAS

NAME OF THE DEPARTMENT: SANSKRIT

Putting others before Self

३/२५ भगवानुवाच

सक्ताः कर्मण्यविद्वांसो यथा कुर्वन्ति भारत ।
कुर्याद्विद्वांस्तथा सक्तश्चिचकीर्षुर्लोकसंग्रहम् ॥

हर हरं, जहाँ गुणवान् कार्यं जानता वरुं स्वयं
जहाँ अनुभव करे, तमरे कामरे निरुतन फणी गुणवान्
अनामक वरुं अनुभव करे ।

श्रीकृष्ण जयुं के वल्लभे हे, कर्क करणरे ररुं
करे भवक निष्कृति लरे, निरुतु फणी उ अफणी गुणित
अरुं कर्क अनुभव करण रीरुतं जानाम ररुं, प्रकाश
कार्यं जानता वरुं अफणी गुणित ल प्रकाश करे
करे प्रकाश करण, अनामकरीन फणी गुणित उ प्रकाश
कामरे मरुतरे रीरुतं अनुभव करे लरे अकरे करे
प्रकाश करण, प्रकाश प्रकाश निष्काम करे उ मरुत
निष्काम, करे रीरुतं करे मरुत ररुं जान
लरे प्रकाश - प्रकाश करे करे करण, मीरुतं करुं लरे
ल लरे काज निष्काम लरे करे मरुत, निष्काम
कामरे मरुतरे उरुं उरुं करे प्री ररुं, जानाम
गुणित प्रकाश लरे लरे जानाम लरे मरुत, करे
मरुतरे लरे जानाम लरे मरुतरीन मरुत
मरुत प्रकाश ररे, मरुत जानाम लरे लरे लरे
मरुत मरुतरे मरुत प्रकाश ररे ॥